रविवार
12 अप्रैल, 2026

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

जानकी शिशु महाविहार
शिशु स्तर से पंचम स्तर तक
विशेषताएँ :-
• सी. सी. टी. वी. कैमरा की व्यवस्था
• स्मार्ट क्लास
• सभी रूट पर वाहन की व्यवस्था
• कंप्यूटर क्लास

वर्ष 2, अंक 68 | नालंदा का नंबर - 1 डिजिटल अखबार
www.apnanalanda.com

मलमास मेला 2026 की तैयारी शुरू, राजगीर में सुरक्षा व सुविधाओं को लेकर हुई समीक्षा बैठक

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।नालंदा के जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में राजगीर स्थित आईसीसी सभागार में शनिवार को मलमास मेला 2026 के सफल आयोजन को लेकर पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मेला के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बताया गया कि आगामी मलमास मेला 17 मई से 15 जून 2026 तक राजगीर में आयोजित होगा। इस दौरान ब्रह्म कुंड में स्नान के लिए दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसे देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन सेवाएं, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य सुविधा, शरण स्थली, शौचालय, चेंजिंग रूम और साफ-सफाई की व्यापक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

जिला पदाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि मेला अवधि में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस बल, महिला पुलिस और स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। साथ ही सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से भीड़ पर निगरानी रखी जाएगी तथा असामाजिक तत्वों पर विशेष नजर रहेगी।यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए वैकल्पिक मार्ग और पार्किंग स्थलों को चिन्हित किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस, मेडिकल कैंप, दवाइयों और चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। वहीं खोए हुए लोगों को उनके परिवार से मिलाने के लिए सूचना केंद्र बनाए जाएंगे।श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन, ब्रह्म कुंड घाट, बस स्टैंड, झुनकिया बाबा, गढ़ महादेव और अन्य स्थानों पर वाटरप्रूफ यात्री शेड (टेंट सिटी) बनाए जाएंगे। बैठक में उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, जिला वन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी परीक्षा को लेकर अधिकारियों की ब्रीफिंग, 15 केंद्रों पर होगी परीक्षा

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।नालंदा समाहरणालय स्थित हरदेव भवन में शनिवार को सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी प्रतियोगिता परीक्षा के सफल एवं कदाचारमुक्त आयोजन को लेकर अधिकारियों की ब्रीफिंग की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर समाहर्ता राजीव रंजन कुमार सिन्हा ने की। इस दौरान संबंधित केंद्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी प्रतियोगिता परीक्षा 14, 15, 17, 18, 20 और 21 अप्रैल 2026 को तीन चरणों में आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा बिहारशरीफ जिला मुख्यालय के अंतर्गत कुल 15 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न होगी। परीक्षा के स्वच्छ एवं निष्पक्ष संचालन के लिए 30 केंद्र प्रेक्षक सह स्टैटिक दंडाधिकारी, 7 जोनल दंडाधिकारी तथा 3 उड़नदस्ता दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है।परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक चलेगी। इस परीक्षा में कुल 9,732 अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक केंद्र ऑब्जर्वर, एक स्टैटिक दंडाधिकारी तथा पुलिस पदाधिकारी की तैनाती की गई है।

परीक्षार्थियों के लिए प्रवेश समय भी निर्धारित किया गया है। पहली पाली के लिए सुबह 8 बजे से 9 बजे तक तथा दूसरी पाली के लिए दोपहर 1 बजे से 1:30 बजे तक प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षा शुरू होने के एक घंटे पहले तक ही प्रवेश की अनुमति होगी, इसके बाद किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

परीक्षा केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। सभी केंद्रों पर सतत वीडियोग्राफी कराई जाएगी और परीक्षा केंद्रों के 500 गज की परिधि में निषेधाज्ञा लागू रहेगी। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा के विशेष कार्य पदाधिकारी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

होटल बुकिंग के नाम पर साइबर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।नालंदा साइबर थाना पुलिस ने होटल बुकिंग के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मानपुर थाना क्षेत्र के पलनी गांव के खंधा इलाके से आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान बलराम कुमार, पिता स्वर्गीय अरविंद यादव, निवासी ग्राम रसलपुर, थाना बिंद, जिला नालंदा के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी व्हाट्सएप के माध्यम से लोगों से संपर्क कर होटलों में कमरा बुकिंग कराने के नाम पर झांसा देता था और भोले-भाले लोगों से ऑनलाइन ठगी करता था।

साइबर पुलिस पोर्टल से प्राप्त संदिग्ध मोबाइल नंबरों के आधार पर नालंदा साइबर थाना की टीम ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्य के आधार पर आरोपी के ठिकाने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी के पास से ठगी में प्रयुक्त तीन स्क्रीनटच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस संबंध में नालंदा साइबर थाना कांड संख्या 85/26, दिनांक 4 अप्रैल 2026 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

इस कार्रवाई में पु.नि. कुमारी उषा सिन्हा, पु.अ.नि. पवन कुमार, पु.अ.नि. शैलेश कुमार झा, सिपाही विजय कुमार, सिपाही पुनेश कुमार तथा सिपाही रौशन कुमार (नालंदा साइबर थाना एवं जिला आसूचना इकाई टीम) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस मामले में अन्य सहयोगियों की भी तलाश कर रही है।

अल्ट्राटेक सीमेंट के नाम पर साइबर ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।नालंदा साइबर थाना पुलिस ने अल्ट्राटेक सीमेंट के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बिहार थाना क्षेत्र के मनीराम अखाड़ा मोहल्ला स्थित एक किराये के मकान में छापेमारी कर दोनों आरोपियों को पकड़ा।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सचिन कुमार, पिता रामधनी पंडित तथा सोनू कुमार, पिता कपिल पंडित, दोनों निवासी ग्राम तेतरावां, थाना मानपुर, जिला नालंदा के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी व्हाट्सएप के माध्यम से लोगों से संपर्क कर होटलों में कमरा बुकिंग कराने और अल्ट्राटेक सीमेंट से जुड़े ऑफर का झांसा देकर भोले-भाले लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे।

साइबर पुलिस पोर्टल से संदिग्ध मोबाइल नंबरों की सूचना मिलने के बाद नालंदा साइबर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के क्रम में पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी बिहारशरीफ के मनीराम अखाड़ा इलाके में किराये के मकान में रहकर साइबर ठगी का नेटवर्क चला रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों के पास से ठगी में प्रयुक्त नौ स्क्रीनटच मोबाइल फोन तथा दो एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। इस संबंध में नालंदा साइबर थाना कांड संख्या 90/26, दिनांक 10 अप्रैल 2026 के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

इस कार्रवाई में पु.नि. धर्मेन्द्र कुमार, पु.अ.नि. शैलेश कुमार झा, सिपाही पुनेश कुमार तथा सिपाही रौशन कुमार (नालंदा साइबर थाना व जिला आसूचना इकाई टीम) की अहम भूमिका रही।

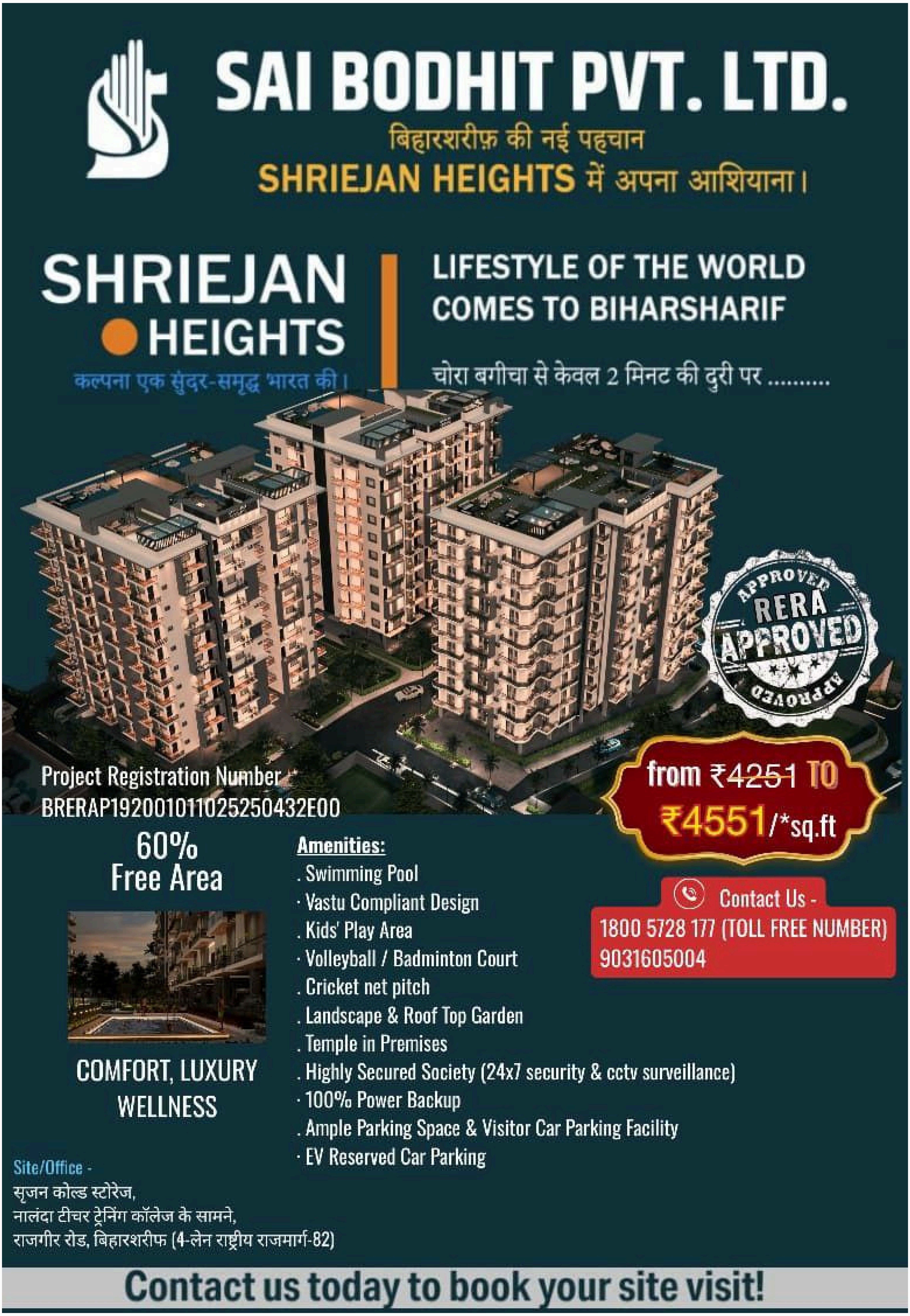
SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN
HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD
COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED
RERA
APPROVED
APPROVED
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
from ₹4251 TO
₹4551/*sq.ft
60%
Free Area
COMFORT, LUXURY
WELLNESS
Amenities:
. Swimming Pool
· Vastu Compliant Design
. Kids' Play Area
· Volleyball / Badminton Court
. Cricket net pitch
. Landscape & Roof Top Garden
. Temple in Premises
. Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
· 100% Power Backup
. Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
· EV Reserved Car Parking
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact us today to book your site visit!

राजगीर जू सफारी के 25 गाइड्स ने नेचर गाइड प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राजगीर जू सफारी में कार्यरत गाइड्स के लिए आयोजित 390 घंटे का प्रमाणित प्रकृति गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। इस प्रशिक्षण में जू सफारी के कुल 25 गाइड्स ने भाग लिया और प्रकृति से जुड़े विभिन्न विषयों की गहन जानकारी प्राप्त की।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम "द नेचुरलिस्ट स्कूल" द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को कौशल विकास योजना के मानकों के अनुरूप तैयार किया गया था और इसे पूरी तरह अनुभव आधारित पद्धति से संचालित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को वनस्पति एवं वन्यजीवों की पहचान, प्रकृति की व्याख्या करने की कला, रोचक ढंग से कहानी प्रस्तुत करना, समूह का मार्गदर्शन करना तथा प्राथमिक उपचार जैसी उपयोगी जानकारियां दी गईं।

कार्यक्रम का समापन समारोह राजगीर जू सफारी परिसर में आयोजित किया गया, जहां सभी प्रशिक्षित गाइड्स को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर जू सफारी के निदेशक रामसुंदर तथा उपनिदेशक अजय कुमार भी उपस्थित रहे।

निदेशक रामसुंदर ने अपने संबोधन में कहा कि राजगीर जू सफारी में हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में गाइड्स की जिम्मेदारी केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि पर्यटकों को प्रकृति से जोड़ना और जंगल के अनुभव को रोचक व यादगार बनाना भी है।

प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों ने इसे अपने जीवन का महत्वपूर्ण अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें प्रकृति संरक्षण के महत्व को समझने और समाज व पर्यटकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा मिली है।इस कार्यक्रम के सफल संचालन में पाठ्यक्रम निदेशक प्रकृति सुब्रमण्यम सहित संस्थान के प्रशिक्षकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्था देशभर में युवाओं को प्रकृति शिक्षा और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

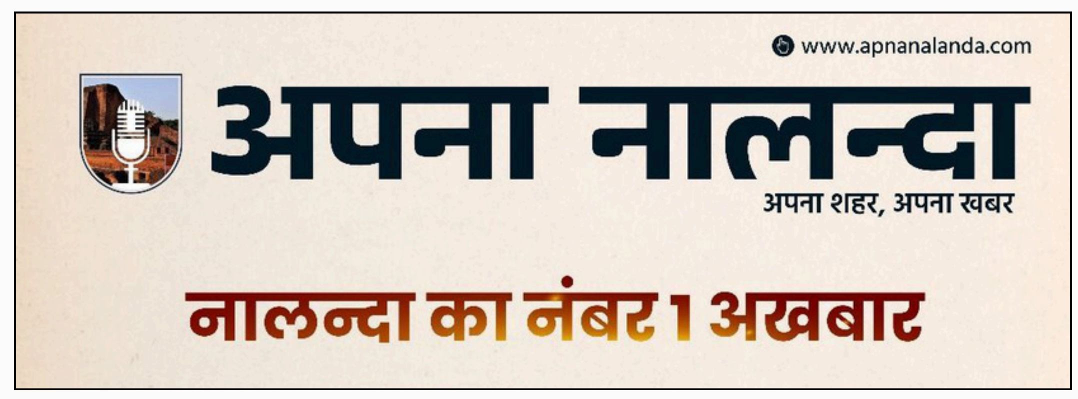

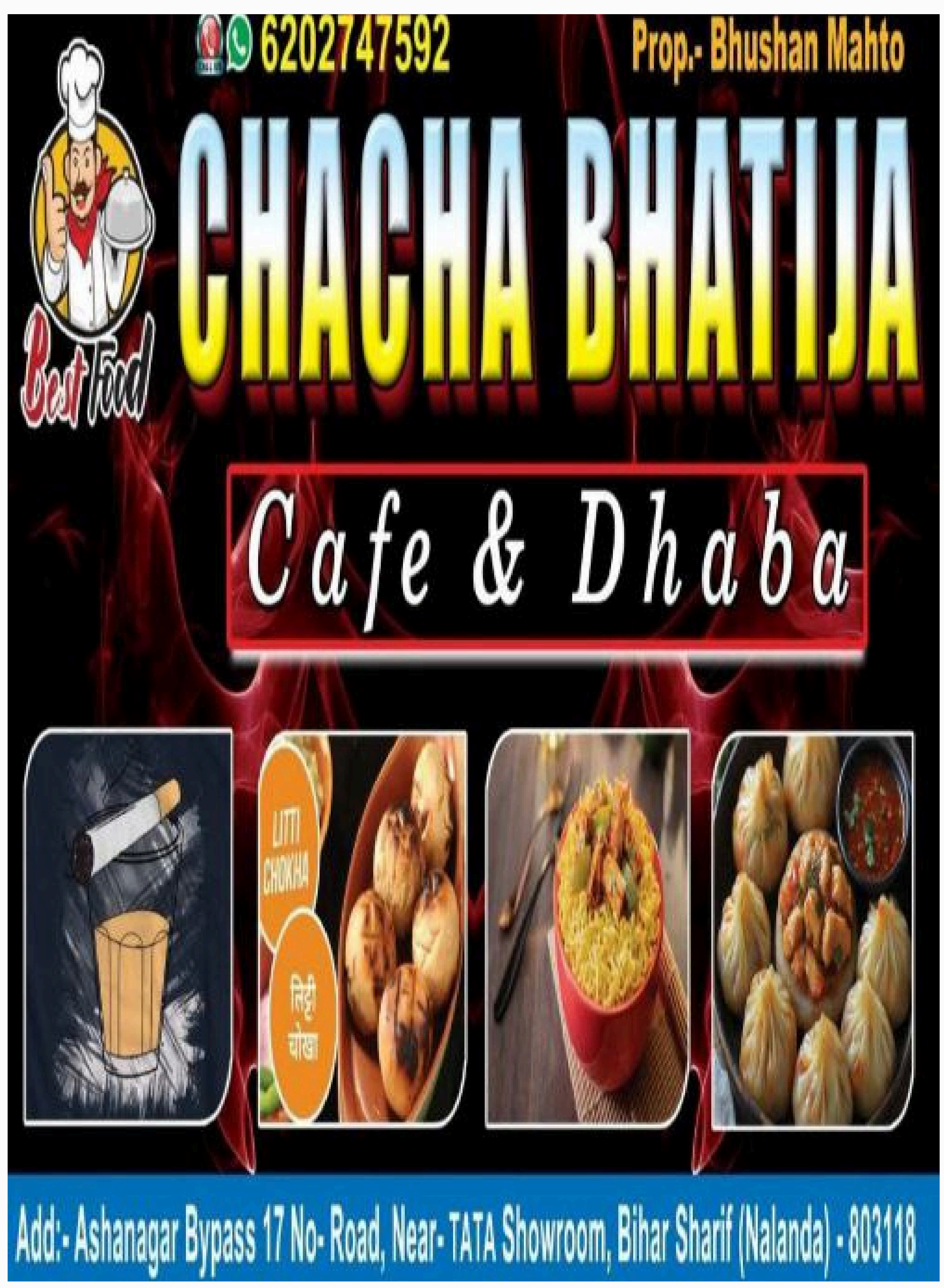

Kalope
HOMES
All-in-One Home Solution
Luxury Interior with RealPlast UPVC
Waterproof | Termite Proof | Fire Retardant | Zero Maintenance
Material Partner: REAL PLAST
RealPlast UPVC is a next-generation interior material
that combines strength, safety, and luxury design.
Modular Kitchen
Cabinets, shutters, drawers
TV Unit & Wall Panels
Modern design, storage
Wardrobes & Closets
Sliding, swing, loft, drawers
Bathroom Vanities
Waterproof & hygienic
+91 74887 06578
www.kalopehomes.com
Patna, Bihar

इनर व्हील क्लब ने चार्टर डे पर सदर अस्पताल में लगाया रक्तदान शिविर, किया पौधारोपण

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।इनर व्हील क्लब ऑफ बिहारशरीफ की ओर से चार्टर डे के अवसर पर शनिवार को हॉस्पिटल मोड़ स्थित सदर अस्पताल बिहारशरीफ में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था। शिविर में चिकित्सकों की टीम की निगरानी में सभी आवश्यक स्वास्थ्य जांच के बाद सुरक्षित रूप से रक्त संग्रह किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्लब की अध्यक्ष रश्मि रानी ने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने लोगों से समय-समय पर रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि इससे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता,बल्कि यह एक महान सेवा है।इस अवसर पर क्लब की ओर से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सदर अस्पताल परिसर में पौधारोपण भी किया गया। सदस्यों ने कहा कि वृक्षारोपण से पर्यावरण संतुलित रहता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित होता है।चार्टर डे के अवसर पर क्लब के सदस्यों ने केक काटकर भी इस दिन को उत्साहपूर्वक मनाया। अध्यक्ष रश्मि रानी ने इनर व्हील क्लब के मिशन और मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए सेवा और समाज कल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने की बात कही। इसी मौके पर नए सदस्य के रूप में तन्नू रस्तोगी को लेपल पिन पहनाकर क्लब में स्वागत किया गया।कार्यक्रम में क्लब की सचिव कुमारी रश्मि, पूर्वाध्यक्ष मंजू प्रकाश, सजना जोसेफ, रूबी सिंहा, सुनीता सिंहा, पूनम कुमारी, डॉ. ममता कौशाम्बी, डॉ. रश्मि नारायण, माला सिंहा, नीतू, डॉ. आकृति, सुमन भारती, ऊषा प्रियंदा, किरण कुमारी और तन्नू रस्तोगी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

डायट शेखपुरा में पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण संपन्न, प्रतिभागियों को मिला प्रमाण पत्र

शेखपुरा (अपना नालंदा)।जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) शेखपुरा में आयोजित पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लेकर नई शिक्षा नीति, नवाचार आधारित शिक्षण पद्धति तथा कक्षा-कक्ष में प्रभावी मूल्यांकन प्रणाली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए डायट के प्राचार्य डॉ. सुशांत सौरभ ने कहा कि शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की सशक्त रीढ़ होते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई नई विधियों और तकनीकों को अपने-अपने विद्यालयों में लागू करें, ताकि बच्चों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने गतिविधि आधारित शिक्षण, समावेशी शिक्षा और डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। पांच दिनों तक चले इस कार्यक्रम में समूह चर्चा, कार्यशाला, प्रस्तुतीकरण तथा मॉडल कक्षाओं का भी आयोजन किया गया।इस अवसर पर प्रशिक्षु शिक्षक राकेश बिहारी शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों की भूमिका केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और समाज में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसलिए शिक्षकों को लगातार नवीन शैक्षिक दृष्टिकोण और कौशल से स्वयं को अद्यतन करते रहना चाहिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षु शिक्षक सर्वश्री जितेंद्र कुमार मेहता, सतीश कुमार, अनुज कुमार, विश्वरंजन कुमार, चंदन कुमार भारती, मनोज कुमार, धर्मेंद्र कुमार, राम प्रवेश, बब्लू कुमार, कुंदन कुमार, रितेश कुमार, रंजीत कुमार, बद्री कुमार रजक, सनाउल्लाह अंसारी, कमलेश कुमार पांडेय, अवधेश कुमार, पिंकू कुमार, मंटू लाल, कुंदन कुमार, मनोज कुमार, शशांक कुमार, पूजा कुमारी, प्रीति कुमारी, खुशबू कुमारी, प्रियंका कुमारी, रंजीत कुमार, कुमारी निशा सिंहा, सुषमा कुमारी, नेहा कुमारी तथा अंजनी कुमारी सहित अन्य प्रशिक्षिणार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

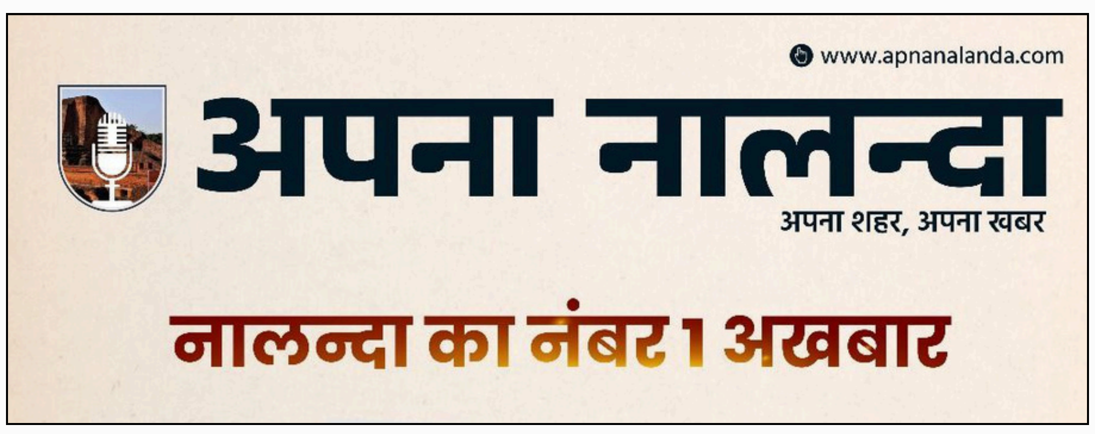

रोटरी क्लब बिहारशरीफ ने सरस्वती शिशु मंदिर में लगाया मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।रोटरी क्लब बिहारशरीफ की ओर से शनिवार को गोरक्षिणी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 8:30 बजे से शुरू हुए इस शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यालय के छात्रों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था।

समाज सेवा और जनकल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को निभाते हुए आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में लगभग 400 छात्रों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने छात्रों की स्वास्थ्य जांच की और उन्हें आवश्यक चिकित्सा परामर्श भी दिया।

शिविर के दौरान बच्चों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ आंखों और दांतों की विशेष जांच भी की गई। नेत्र विशेषज्ञों ने बच्चों की आंखों की जांच कर दृष्टि संबंधी समस्याओं की पहचान की, वहीं दंत चिकित्सकों ने दांतों की स्वच्छता और देखभाल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।

इसके अलावा डॉक्टरों ने छात्रों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, संतुलित आहार लेने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने के महत्व के बारे में भी जागरूक किया। इस अवसर पर एक संक्षिप्त जागरूकता सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को स्वास्थ्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

स्वास्थ्य शिविर में रो० डॉ अजय कुमार (पैथोलॉजिस्ट) प्रोजेक्ट चेयरमैन के रूप में मौजूद रहे। उनके साथ रो० डॉ अजय कुमार सिन्हा (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ पंकज कुमार (शिशु रोग विशेषज्ञ), रो० डॉ अजय कुमार (नेत्र रोग विशेषज्ञ), रो० डॉ अस्मिता (दंत चिकित्सक) तथा डॉ ललित प्रभाकर (दंत चिकित्सक) ने छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

कार्यक्रम के दौरान रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन डॉ आशुतोष कुमार और डॉ विजय कुमार ने विद्यालयों में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ती है और समय रहते बीमारियों की पहचान भी हो जाती है।

रोटरी क्लब बिहारशरीफ ने इस सफल आयोजन के लिए सरस्वती शिशु मंदिर प्रशासन, प्रधानाध्यापिका श्रीमती ऋचा कुमारी, कार्यक्रम संचालिका श्रीमती अनीता प्रसाद तथा सभी चिकित्सा स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

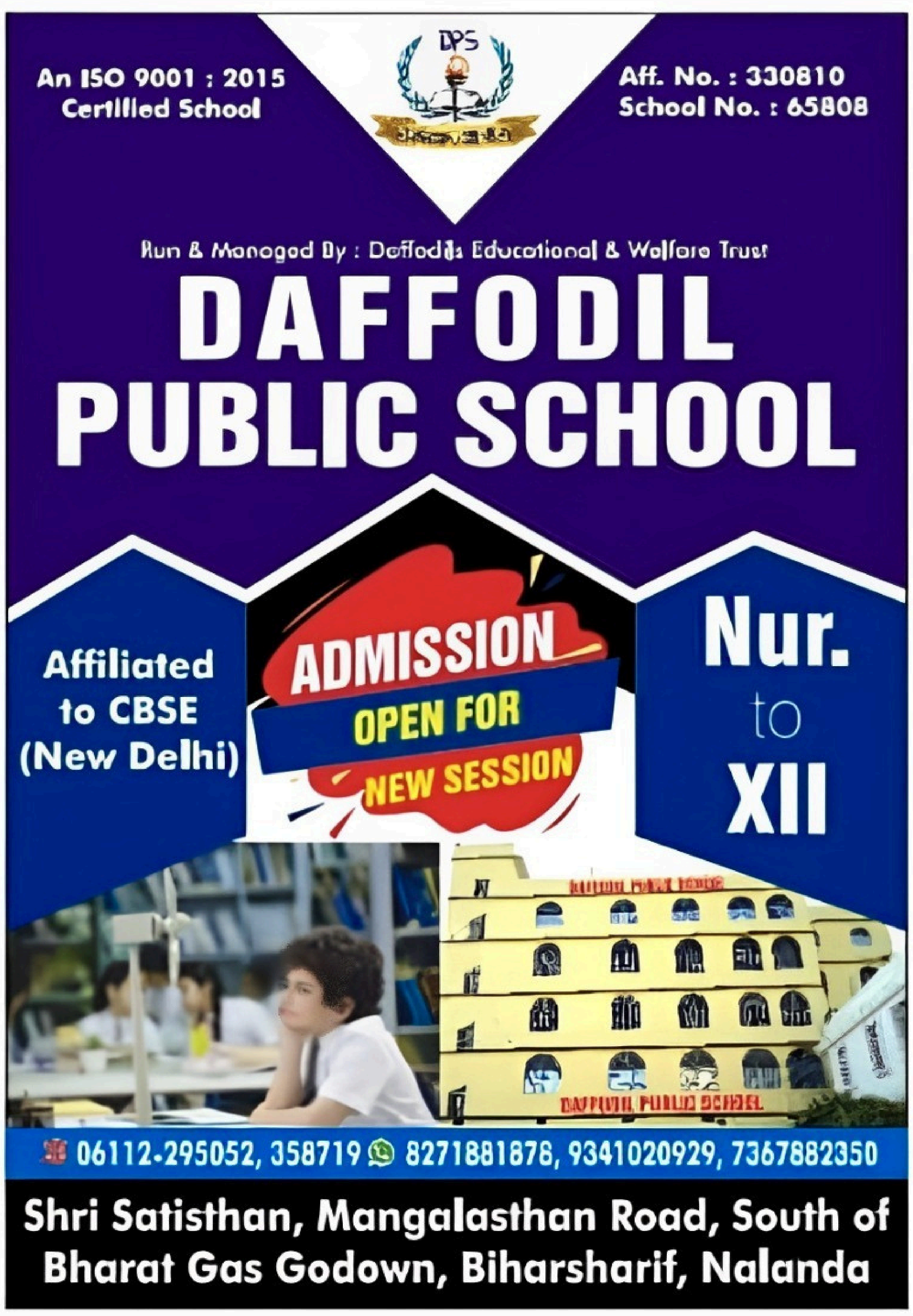

गंगौरा पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन, विधायक हरिनारायण सिंह ने कहा - अब पंचायत में ही मिलेगा सरकारी सेवाओं का लाभ

चितरंजन कुमार

चंडी (अपना नालंदा)।चंडी प्रखंड के गंगौरा पंचायत अंतर्गत कचलपुर गांव में नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन हरनौत विधानसभा क्षेत्र के विधायक हरिनारायण सिंह ने फीता काटकर किया। लगभग 2 करोड़ 54 लाख रुपये की लागत से बने इस भवन के उद्घाटन अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का स्वागत गंगौरा पंचायत के मुखिया अनिरुद्ध चौधरी ने अंगवस्त्र, बुके और माला पहनाकर किया।

अपने संबोधन में विधायक हरिनारायण सिंह ने कहा कि राज्य सरकार की "आपकी सरकार आपके द्वार" योजना के तहत पंचायत स्तर पर ही लोगों को सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। पंचायत सरकार भवन बनने से अब ग्रामीणों को जाति, आय, आवासीय प्रमाणपत्र, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन तथा मृत्यु प्रमाणपत्र जैसे जरूरी कार्यों के लिए प्रखंड कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। उन्होंने पंचायत से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मियों को सप्ताह में कम से कम दो दिन पंचायत सरकार भवन में बैठने का निर्देश दिया, ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान यहीं हो सके।विधायक ने पंचायती राज पदाधिकारी उमेश कुमार और मुखिया अनिरुद्ध चौधरी को भवन की चाबी सौंपते हुए कहा कि पंचायत सरकार भवन सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि जनता की सेवा और विकास के लिए बनाए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के कारण गांवों में सड़क, पानी और 24 घंटे बिजली जैसी सुविधाएं तेजी से पहुंच रही हैं। के बाद नए मुख्यमंत्री का चेहरा सामने आएगा।मौके पर बीडीओ राजदेव रजक, जदयू जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह, प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र कुमार उर्फ सुनील कुमार, रामप्रवेश सिंह, मुकेश कुमार, प्रमुख पति नरेश पासवान, उप प्रमुख दयानंद कुमार, लक्ष्मण, सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

संपादकीय

जे पी चौधरी

पार्ट नंबर 2

नीतीश के बिना बिहार सुना

राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक किरदार की भूमिका तय करने की तैयारी

स्वास्थ्य क्षेत्र में भी कई बदलाव दर्ज किए गए। 2005 के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई और जिला अस्पतालों में सुविधाओं के विस्तार की प्रक्रिया शुरू हुई। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की गई, जिसे स्वास्थ्य सेवाओं तक बढ़ती पहुंच का संकेत माना गया।हालांकि उनकी राजनीति केवल विकास योजनाओं तक सीमित नहीं रही। गठबंधन की राजनीति में बार-बार बदलाव उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पहचान बन गई। वर्ष 2013 में उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से अलग होकर नई राजनीतिक दिशा अपनाई। 2017 में फिर उसी गठबंधन में वापसी की। 2022 में उन्होंने एक बार फिर दिशा बदली और 2024 में पुनः उसी गठबंधन में शामिल हो गए। लगभग 11 वर्षों के भीतर चार बड़े राजनीतिक बदलाव उनके राजनीतिक जीवन की जटिलता को दर्शाते हैं।2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को भी उनके राजनीतिक जीवन का अहम मोड़ माना जा रहा है। राज्य की 243 सीटों वाली विधानसभा में गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला और इसके बाद उन्होंने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। लेकिन चुनाव के चार-पांच महीने के भीतर ही राज्यसभा की ओर बढ़ने का फैसला यह संकेत देता है कि यह केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है।

राज्यसभा में जाने के साथ ही एक और अहम रिकॉर्ड उनके नाम जुड़ गया है। वे उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था के चारों सदनों विधानसभा, विधान परिषद, लोकसभा और राज्यसभा की सदस्यता का अनुभव हासिल किया है। भारतीय राजनीति में ऐसे नेताओं की संख्या बहुत कम मानी जाती है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि दिल्ली में उनकी भूमिका क्या होगी। लंबे प्रशासनिक अनुभवके आधार पर यह माना जा रहा है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर नीति निर्माण या गठबंधन प्रबंधन में अहम भूमिका निभा सकते हैं। पिछले 30 से अधिक वर्षों के संसदीय अनुभव और लगभग दो दशकों के मुख्यमंत्री कार्यकाल ने उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित किया है, जो जटिल राजनीतिक समीकरणों को समझने और संतुलित करने में सक्षम माने जाते हैं।दूसरी ओर, बिहार में सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया ने नई राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। नए मुख्यमंत्री के नाम को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। राज्य में करीब 13 करोड़ की आबादी और 38 जिलों वाले इस बड़े राज्य का नेतृत्व संभालना आसान नहीं माना जाता। नए नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि पिछले वर्षों में शुरू की गई योजनाओं को जारी रखा जाए और साथ ही नई प्राथमिकताओं को भी लागू किया जाए।

बिहार की राजनीति इस समय एक संक्रमण काल से गुजर रही है। पिछले लगभग 20 वर्षों में जो प्रशासनिक ढांचा तैयार हुआ, उसे बनाए रखना और आगे बढ़ाना नई सरकार के लिए सबसे बड़ी परीक्षा होगी। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि क्या नई सरकार विकास की उसी गति को बनाए रख पाती है, जो पिछले वर्षों में देखने को मिली थी। नीतीश कुमार का दिल्ली की ओर बढ़ना उनके राजनीतिक जीवन का एक पूर्ण चक्र भी माना जा रहा है। जिस नेता ने सांसद के रूप में अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी, वही मुख्यमंत्री पद से हटकर फिर संसद की ओर लौट रहा है। यह बदलाव केवल पद का परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार और राष्ट्रीय राजनीति दोनों के लिए एक नए दौर की शुरुआत का संकेत है। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि यह फैसला केवल जिम्मेदारी बदलने तक सीमित था या फिर राष्ट्रीय स्तर पर किसी बड़े राजनीतिक किरदार की भूमिका तय करने की तैयारी

जहानाबाद में मनरेगा कार्यों की समीक्षा, 8.22 लाख मानव दिवस सृजन का लक्ष्य पूरा करने का निर्देश

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)।जिला पदाधिकारी अलंकृता पाण्डेय के निर्देश पर उप विकास आयुक्त डॉ. प्रीति की अध्यक्षता में गांधी नरेगा योजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026–27 के अप्रैल माह के विभागीय लक्ष्य को समय पर पूरा करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त ने बताया कि जिले में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार 8,22,914 मानव दिवस सृजन कर कार्य पूरा करना है। उन्होंने सभी कार्यक्रम पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर लक्ष्य हासिल करने के लिए कार्यों में तेजी लाई जाए।बैठक में ई-केवाईसी की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बताया गया कि सक्रिय मजदूरों का ई-केवाईसी प्रतिशत 82.69 तथा सभी मजदूरों का प्रतिशत 59.08 है। इस पर उप विकास आयुक्त ने घोषी और मखदुमपुर प्रखंड के कार्यक्रम पदाधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर प्रगति लाने का निर्देश दिया।

इसके अलावा मनरेगा के तहत जिले में बनाए जा रहे खेल मैदानों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिले में कुल 73 खेल मैदानों में से अब तक 65 का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि शेष 8 मैदानों को शीघ्र और गुणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही तैयार खेल मैदानों को विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार संबंधित भू-स्वामित्व विभाग को हस्तांतरित करने को कहा गया।

बैठक में युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से योजनाओं की बेहतर प्लानिंग करने तथा एरिया ऑफिसर ऐप के जरिए नियमित निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए।

जहानाबाद में एलपीजी गैस वितरण व्यवस्था की समीक्षा, अफवाहों से बचने की अपील

अजीत कुमार

जहानाबाद (अपना नालंदा)।जहानाबाद अनुमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। इस बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, गैस एजेंसी के प्रतिनिधि तथा सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान जिले में गैस की आपूर्ति की स्थिति, वितरण प्रक्रिया और उपभोक्ताओं को हो रही संभावित समस्याओं पर चर्चा की गई।अनुमंडल पदाधिकारी ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता है, इसलिए किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने लोगों से पैनिक बुकिंग से बचने और केवल आवश्यकता के अनुसार ही गैस बुकिंग कराने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की शिकायत या समस्या होने पर लोगजिला नियंत्रण कक्ष से संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन द्वारा गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए लगातार निगरानी और छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। अब तक जिले में गैस एजेंसियों और अन्य स्थानों पर कुल 312 औचक निरीक्षण किए जा चुके हैं। वहीं हाल के निरीक्षण अभियान के तहत आज भी 10 स्थानों पर अचानक जांच की गई है।जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06114-223013 पर एलपीजी गैस से संबंधित शिकायतें प्राप्त की जा रही हैं और उनका त्वरित निराकरण भी किया जा रहा है।

इसके साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी ने विशेष रूप से शादी वाले घरों के लिए अपील करते हुए कहा कि विवाह समारोह से 5 से 7 दिन पहले शादी कार्ड और आगंतुकों की अनुमानित संख्या के साथ कमर्शियल गैस सिलेंडर की आवश्यकता का आकलन कर संबंधित एजेंसी में आवेदन दें, ताकि समय पर गैस उपलब्ध कराई जा सके।

मसौढ़ी के पभेरा गांव में संत पंकज जी महाराज का सत्संग, शाकाहार और सदाचार का दिया संदेश

मसौढ़ी (अपना नालंदा)।परम संत बाबा जयगुरुदेव जी महाराज के उत्तराधिकारी संत पंकज जी महाराज की शाकाहार, सदाचार, मद्यनिषेध और आध्यात्मिक जनजागरण यात्रा इन दिनों बिहार में चल रही है। 67 दिनों की इस यात्रा का शनिवार को 35वां दिन था। इस दौरान मसौढ़ी प्रखंड के पभेरा गांव में उनका भव्य स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने बाजे-गाजे, कलश, फूल-मालाओं और पुष्पवर्षा के साथ संत पंकज जी महाराज और उनके अनुयायियों का अभिनंदन किया।

मध्याह्न में आयोजित सत्संग में संत पंकज जी महाराज ने कहा कि सत्संग का उद्देश्य किसी व्यक्ति, धर्म या देवी-देवता की निंदा करना नहीं, बल्कि परमात्मा के प्रति प्रेम और भक्ति की भावना जागृत करना है। उन्होंने कहा कि परमात्मा की प्राप्ति जीवित अवस्था में ही संभव है। संतों और महापुरुषों ने अपने जीवनमें भक्ति और साधना के माध्यम से ईश्वर का अनुभव किया और यही मार्ग सभी के लिए खुला है।

उन्होंने सरल साधना की तीन प्रमुख क्रियाओं —सुमिरन, ध्यान और भजन—का महत्व बताते हुए कहा कि इन्हीं के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर छिपे दिव्य तत्व को पहचान सकता है। संत पंकज जी महाराज ने लोगों से मांसाहार और नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि इनसे समाज में कई बुरी प्रवृत्तियां जन्म लेती हैं।

उन्होंने आगामी 17 से 21 मई तक उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित जयगुरुदेव आश्रम में आयोजित होने वाले वार्षिक भंडारा सत्संग मेला में शामिल होने के लिए लोगों को आमंत्रित किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुनील कुमार, प्रखंड अध्यक्ष डॉ. बिंदेश्वर, सुजीत कुमार, ललित पासवान, शिव कुमार, प्रतापगढ़ संगत अध्यक्ष सूर्यबली सिंह, वीरेंद्र यादव, रामकुमार और बालकृष्ण शुक्ला सहित कई लोग उपस्थित रहे।

महंगी फीस के दौर में जानकी शिशु महाविहार बना सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का केंद्र

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।इन दिनों नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही निजी विद्यालयों में नामांकन प्रक्रिया जोर पकड़ चुकी है। लेकिन विभिन्न प्रकार के शुल्क वसूले जाने के कारण अभिभावकों में असंतोष और आक्रोश भी देखने को मिल रहा है। कई निजी विद्यालयों में नामांकन शुल्क, विकास शुल्क, पुस्तक और अन्य मदों के नाम पर अभिभावकों से भारी रकम ली जा रही है। इससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि कई निजी विद्यालय शिक्षा का केंद्र बनने के बजाय धीरे-धीरे धन उगाही का माध्यम बनते जा रहे हैं।

स्थिति यह है कि बेहतर शिक्षा की उम्मीद में अभिभावक मजबूर होकर अपने बच्चों का नामांकन इन विद्यालयों में करवा रहे हैं। लगातार बढ़ती फीस और अलग-अलग शुल्क के कारण निजी विद्यालयों की छवि भी आम लोगों के बीच धूमिल होती जा रही है। कई अभिभावकों का कहना है कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों का भविष्य बनाना होना चाहिए, न कि अभिभावकों पर आर्थिक दबाव बढ़ाना।

इसी बीच जिला मुख्यालय बिहारशरीफ में पिछले लगभग 46 वर्षों से संचालित एक विद्यालय आज भी कम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की परंपरा को कायम रखे हुए है। कागजी मोहल्ला (भैंसासुर मोड़ के उत्तर) स्थित जानकी शिशु महाविहार में शिशु वर्ग से लेकर पांचवीं कक्षा तक बच्चों को शिक्षा दी जाती है। यह विद्यालय लंबे समय से क्षेत्र के अभिभावकों के लिए भरोसे का केंद्र बना हुआ है।

इस विद्यालय की स्थापना वर्ष 1980 में इम्पेरियर स्कूल के नाम से समाजसेवी शिव कुमार प्रसाद द्वारा की गई थी। उनका उद्देश्य था कि कम शुल्क में बच्चों को अच्छी और मजबूत आधार वाली शिक्षा दी जाए, ताकि यहां के बच्चे आगे चलकर उच्च पदों पर पहुंचें और अपने क्षेत्र के साथ-साथ विद्यालय का नाम भी रोशन करें। विद्यालय से पढ़े कई छात्र आज विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत हैं और अपने क्षेत्र में पहचान बना चुके हैं।

कुछ तकनीकी कारणों से वर्ष 2010 में विद्यालय का नाम बदलकर जानकी शिशु महाविहार कर दिया गया। वर्तमान में इसके निदेशक अधिवक्ता रणधीर रंजन मंटू हैं, जो संस्थापक के उद्देश्य को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि शिक्षा सेवा का माध्यम है और इसे व्यवसाय नहीं बनाया

जाना चाहिए। इसी सोच के साथ विद्यालय में कम शुल्क में बेहतर शिक्षा देने का प्रयास लगातार जारी है।

विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार, जो पिछले 28 वर्षों से यहां कार्यरत हैं, ने बताया कि यहां रि-नामांकन के नाम पर मात्र 500 रुपये का शुल्क लिया जाता है। विद्यालय में किताबें हर साल बदलने की बाध्यता नहीं है और अभिभावकों को कॉपी, किताब या यूनिफॉर्म विद्यालय से ही खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जाता, क्योंकि विद्यालय द्वारा स्वयं कोई भी चीज नहीं बेचा जाता है। अभिभावक अपनी सुविधा के अनुसार कहीं से भी ये सामग्री खरीद सकते हैं। विद्यालय की ओर से केवल टाई, बेल्ट, स्कूल डायरी और पहचान पत्र बहुत ही कम शुल्क पर उपलब्ध कराया जाता है।

विद्यालय द्वारा कंप्यूटर की भी शिक्षा दिया जाता है ताकि इस क्षेत्र में भी बच्चों की पकड़ मजबूत हो।

हर सप्ताह बच्चों का जांच परीक्षा लिया जाता है, जिससे पता चलता है कि बच्चों का कितना विकास हुआ और जो क्षेत्र में जो बच्चे कमजोर हैं, उन पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि विद्यालय का अपना भवन है और बच्चों के खेलने के लिए बड़ा मैदान उपलब्ध है। छोटे बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के खिलौने तथा झूले लगाए गए हैं, ताकि पढ़ाई के साथ-साथ उनका शारीरिक और मानसिक विकास भी हो सके।

दूर दराज के बच्चों के लिए वाहन की भी सुविधा उपलब्ध है।

विद्यालय में पढ़ाई की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाता है और कमजोर छात्रों को अतिरिक्त मार्गदर्शन दिया जाता है, ताकि वे भी बेहतर प्रदर्शन कर सकें। अनुभवी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं द्वारा गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा दी जाती है

विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल बच्चों को पढ़ाना ही नहीं, बल्कि उनकी मजबूत शैक्षणिक नींव तैयार करना है, ताकि वे आगे चलकर अपने माता-पिता, समाज और विद्यालय का नाम रोशन कर सकें।

नगर निकायों की सशक्त स्थायी समिति का अब चुनाव से होगा गठन, 18 अप्रैल को गुप्त मतदान

मेयर-अध्यक्ष की नामांकन व्यवस्था समाप्त, वार्ड पार्षदों के वोट से चुने जाएंगे सदस्य

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।नगर निकायों की सशक्त स्थायी समिति के गठन की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। अब तक जहां इस समिति के सदस्यों का चयन मेयर या अध्यक्ष द्वारा नामांकन के माध्यम से किया जाता था, वहीं अब इसका गठन चुनाव के जरिए होगा। राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार अब सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों का चयन वार्ड पार्षदों द्वारा गुप्त मतदान से किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने नगर निगम समेत जिले के सभी 15 नगर निकायों में सशक्त स्थायी समिति के चुनाव के लिए 18 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। इस दिन नामांकन से लेकर मतदान, मतगणना और निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाने तक की पूरी प्रक्रिया एक ही दिन में पूरी की जाएगी। निर्वाचन प्रक्रिया की शुरुआत सुबह 8 बजे से होगी और बिना किसी विराम के इसे संपन्न कराया जाएगा।

नई व्यवस्था लागू होने के बाद नगर निकायों में मेयर और अध्यक्ष के बोर्ड पर नियंत्रण में भी कमी आने की संभावना है। अभी तक मेयर और अध्यक्ष द्वारा नामित सदस्य ही सशक्त स्थायी समिति में शामिल होते थे, लेकिन अब यह अधिकार वार्ड पार्षदों के वोट से तय होगा। बिहारशरीफ नगर निगम में वर्तमान में सशक्त स्थायी समिति के सातों सदस्य महिलाएं हैं, जिन्हें मेयर द्वारा नामित किया गया था।

जिला प्रशासन की ओर से सभी निकायों में चुनाव संपन्न कराने के लिए निर्वाची पदाधिकारी, सहायक निर्वाची पदाधिकारी और सहयोगी पदाधिकारी भी नामित किए गए हैं। बिहारशरीफ नगर निगम के लिए उप विकास आयुक्त शुभम कुमार को निर्वाची पदाधिकारी बनाया गया है। प्रशासन ने निर्देश दिया है कि सभी वार्ड पार्षदों को चुनाव के स्थान और समय की सूचना कम से कम एक सप्ताह पहले दे दी जाए।

निर्वाचन प्रक्रिया के तहत सशक्त स्थायी समिति की प्रत्येक रिक्ति के लिए अलग-अलग मतपेटिका रखी जाएगी और सभी रिक्तियों के लिए एक ही समय में चुनाव होंगे। प्रत्येक निर्वाचित वार्ड पार्षद केवल एक ही रिक्ति के लिए नामांकन कर सकेंगे। यदि कोई वार्ड पार्षद एक से अधिक रिक्ति के लिए नामांकन करता है तो सबसे पहले क्रमांक वाली मतपेटिका में किया गया नामांकन ही वैध माना जाएगा।

नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद प्रत्येक रिक्ति के लिए हिंदी (देवनागरी लिपि) में वर्णानुक्रम के आधार पर मतपत्र तैयार किए जाएंगे। इसके बाद सभी निर्वाचित वार्ड पार्षद क्रमांकित मतपेटिकाओं में गुप्त मतदान करेंगे। यदि सशक्त स्थायी समिति में सात रिक्तियां हैं तो प्रत्येक वार्ड पार्षद सातों रिक्तियों के लिए अलग-अलग मतदान कर सकेगा।

मतदान समाप्त होने के बाद सभी वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में मतपेटिकाओं को खोलकर

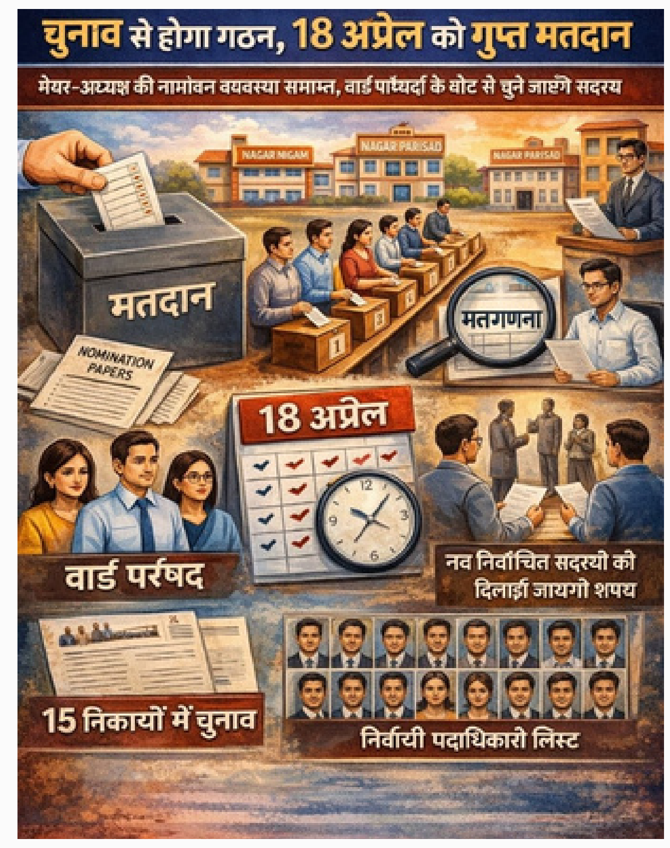

मतगणना की जाएगी। जिस उम्मीदवार को किसी रिक्ति के लिए सबसे अधिक मत प्राप्त होंगे, उसे उस पद के लिए निर्वाचित घोषित किया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद सशक्त स्थायी समिति के निर्वाचित सदस्यों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी।

जिला प्रशासन के अनुसार चुनाव प्रक्रिया के दौरान यदि किसी प्रकार की अपरिहार्य स्थिति उत्पन्न होती है तो कारण दर्ज करते हुए चुनाव को स्थगित किया जा सकता है और राज्य सरकार के निर्देशानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पूरी निर्वाचन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी ताकि पारदर्शिता बनी रहे।

इन निकायों के लिए नामित किए गए निर्वाची पदाधिकारी:

बिहारशरीफ नगर निगम – डीडीसी शुभम कुमार

नगर परिषद हिलसा – एसडीओ अमित कुमार पटेल

नगर परिषद राजगीर – एसडीओ सूर्य प्रकाश गुप्ता

नगर परिषद इस्लामपुर – एसडीसी प्राची रिया

नगर पंचायत अस्थावां – डीसीएलआर बिहारशरीफ/हिलसा

नगर पंचायत हरनौत – डीपीआरओ साकेत कुमार

नगर पंचायत पावापुरी – एसडीसी आलोक चंद्र

नगर पंचायत रहुई – डीएलओ साकेत सुमन सौरभ

नगर पंचायत एकंगरसराय – एडीएम विभागीय जांच रंजन चौधरी

नगर पंचायत चंडी – डीएसओ सोमनाथ सिंह

नगर पंचायत नालंदा – एसडीसी अभिषेक श्रीवास्तव

नगर पंचायत परवलपुर – एसडीसी स्वेता कुमारी

नगर पंचायत सरमेरा – एसडीओ बिहारशरीफ किसलय श्रीवास्तव

नगर पंचायत सिलाव – एडीएम राजीव रंजन सिन्हा

यदि चाहें तो मैं इस खबर के लिए भी उसी तरह की आकर्षक रंगीन डिजिटल न्यूज़ इमेज (थंबनेल) बना सकता हूँ, जो सोशल मीडिया और आपकी अपना नालंदा डिजिटल न्यूज़ के लिए बहुत अच्छी लगेगी।

चंदन चौरसिया का राजनीतिक विश्लेषण: नंदीग्राम में प्रतिष्ठा की लड़ाई, ममता और शुभेंदु आमने-सामने

पटना (अपना नालंदा)।वरिष्ठ पत्रकार चंदन चौरसिया के अनुसार पश्चिम बंगाल की राजनीति में नंदीग्राम विधानसभा सीट अब केवल एक चुनावी क्षेत्र नहीं रही, बल्कि यह राज्य की सत्ता, प्रतिष्ठा और राजनीतिक भविष्य का प्रतीक बन चुकी है। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में यह सीट एक बार फिर पूरे देश की निगाहों का केंद्र बन गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नंदीग्राम का मुकाबला इस बार भी उतना ही भावनात्मक, रणनीतिक और आक्रामक है जितना वर्ष 2021 में था, बल्कि परिस्थितियाँ पहले से अधिक जटिल हो चुकी हैं।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव में इसी सीट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके पूर्व सहयोगी और वर्तमान में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने मात्र 1,956 मतों के करीबी अंतर से पराजित कर दिया था। इस जीत ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा संदेश दिया था। भाजपा के लिए यह मनोवैज्ञानिक बढ़त थी, जबकि तृणमूल कांग्रेस के लिए यह एक बड़ा राजनीतिक झटका साबित हुआ था।

अब वर्ष 2026 के चुनाव में परिस्थितियाँ और अधिक रोचक हो गई हैं। एक ओर भाजपा अपने संगठनात्मक विस्तार और लोकसभा चुनाव में मिले वोट प्रतिशत को अपनी ताकत मान रही है, वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस इस सीट को अपनी प्रतिष्ठा की वापसी के रूप में देख रही है।

नंदीग्राम की राजनीति अब केवल दलों की लड़ाई नहीं रह गई है, बल्कि यह दो मजबूत व्यक्तित्वों की सीधी टक्कर बन चुकी है। ममता बनर्जी के लिए यह सीट भावनात्मक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। वर्ष 2007 के भूमि आंदोलन के बाद इसी क्षेत्र ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में एक मजबूत पहचान दिलाई थी। नंदीग्राम का आंदोलन ही उनके मुख्यमंत्री बनने की राजनीतिक यात्रा का आधार बना था।

दूसरी ओर शुभेंदु अधिकारी के लिए भी यह सीट उनके राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुई। तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने वर्ष 2021 में ममता बनर्जी को हराकर यह साबित किया था कि उनका प्रभाव केवल संगठन तक सीमित नहीं, बल्कि जनता के बीच भी मजबूत है। इस बार भाजपा ने पूरे क्षेत्र में अपने संगठन को और मजबूत किया है, जिससे मुकाबला और कठिन हो गया है।

राजनीतिक विश्लेषण के अनुसार इस बार चुनाव तीन प्रमुख कारकों पर निर्भर करेगा—संगठनात्मक ताकत, जातीय और धार्मिक समीकरण तथा स्थानीय उम्मीदवारों की स्वीकार्यता। भाजपा का दावा है कि पिछले लोकसभा चुनाव में उसे यहां लगभग 49 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए थे, जो उसकी बढ़ती लोकप्रियता का संकेत माना जा रहा है। कई पंचायतों में भाजपा की पकड़ भी पार्टी को बढ़त दिला सकती है।

हालांकि तृणमूल कांग्रेस भी पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। पार्टी ने स्थानीय नेतृत्व को आगे बढ़ाकर मतदाताओं से भावनात्मक जुड़ाव मजबूत करने की रणनीति अपनाई है। ग्रामीण इलाकों में विकास योजनाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

नंदीग्राम में जातीय और धार्मिक समीकरण भी चुनावी परिणाम को प्रभावित करने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। यहां मुस्लिम मतदाताओं की बड़ी संख्या है, जो कई बार चुनावी संतुलन बदल देती है। भाजपा जहां अपने पारंपरिक वोट बैंक को मजबूत करने पर ध्यान दे रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस सभी समुदायों को साथ जोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नंदीग्राम का चुनाव केवल एक विधानसभा सीट का परिणाम तय नहीं करेगा, बल्कि यह पश्चिम बंगाल की भविष्य की राजनीतिक दिशा भी तय करेगा। यदि ममता बनर्जी यह सीट वापस जीतने में सफल होती हैं, तो यह उनकी राजनीतिक पकड़ का बड़ा प्रमाण होगा। वहीं यदि शुभेंदु अधिकारी अपनी जीत दोहराते हैं, तो यह भाजपा के लिए बंगाल में मजबूत आधार बनने का संकेत माना जाएगा।

कुल मिलाकर नंदीग्राम एक बार फिर साबित कर रहा है कि यह केवल एक चुनावी क्षेत्र नहीं, बल्कि बंगाल की राजनीति का सबसे बड़ा रणक्षेत्र है, जहां हर वोट आने वाले समय की दिशा तय कर सकता है।

निजी विद्यालयों की मनमानी से अभिभावक परेशान, रिन्यूअल व विकास शुल्क के नाम पर वसूले जा रहे हजारों रुपये

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।बिहारशरीफ तथा आसपास के क्षेत्रों में निजी विद्यालयों की मनमानी से अभिभावक परेशान हैं। अभिभावकों का आरोप है कि कई बड़े निजी विद्यालय विभिन्न नामों पर उनसे भारी-भरकम राशि वसूल रहे हैं। रिन्यूअल शुल्क, पुनः नामांकन शुल्क, विकास शुल्क तथा पुस्तकों के नाम पर अभिभावकों से हर वर्ष हजारों रुपये लिए जा रहे हैं। इसको लेकर एक पीड़ित अभिभावक ने जिला पदाधिकारी को ई-मेल के माध्यम से शिकायत भेजकर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

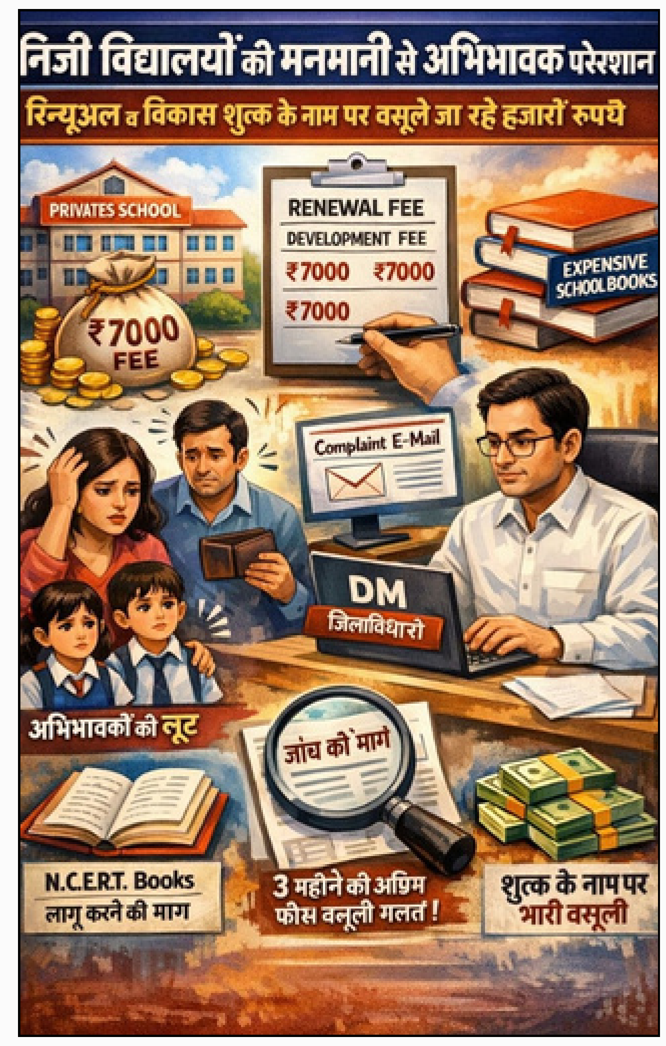

अभिभावक द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि निजी विद्यालयों द्वारा शिक्षा के नाम पर अभिभावकों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। कई विद्यालयों में प्रत्येक छात्र से रिन्यूअल शुल्क के नाम पर लगभग सात हजार रुपये तक वसूले जा रहे हैं। जबकि छात्र पहले से ही उसी विद्यालय में अध्ययनरत हैं। ऐसे में हर वर्ष रिन्यूअल शुल्क लेना पूरी तरह अनुचित और अभिभावकों के साथ अन्याय है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके दो बच्चे बिहारशरीफ-नूरसराय मार्ग स्थित एक बड़े निजी विद्यालय में पढ़ते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने दोनों बच्चों से रिन्यूअल शुल्क के रूप में सात-सात हजार रुपये जमा कराए हैं। इस प्रकार केवल रिन्यूअल शुल्क के नाम पर चौदह हजार रुपये की राशि ली गई है। अभिभावक का कहना है कि यह शुल्क हर वर्ष लिया जाता है, जिससे अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ता है।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि विद्यालयों द्वारा पुस्तकों के नाम पर भी अभिभावकों से एकमुश्त राशि ले ली जाती है, लेकिन सभी पुस्तकें एक साथ उपलब्ध नहीं कराई जाती हैं। कई बार अभिभावकों को बाद में अलग से पुस्तकें खरीदनी पड़ती हैं। इससे अभिभावकों को दोहरी परेशानी झेलनी पड़ती है।

अभिभावक ने यह भी सवाल उठाया है कि जब अधिकांश निजी विद्यालयों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू है, तो वहां एनसीईआरटी की पुस्तकें क्यों नहीं अनिवार्य की जातीं। यदि विद्यालयों में एनसीईआरटी की पुस्तकें अनिवार्य कर दी जाएं तो अभिभावकों को बाजार से उचित मूल्य पर पुस्तकें आसानी से मिल सकेंगी और उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ का सामना नहीं करना पड़ेगा।इसके अलावा कई निजी विद्यालय शैक्षणिक शुल्क भी तीन महीने का अग्रिम रूप से जमा कराने का दबाव बनाते हैं। समय पर शुल्कजमा नहीं करने पर लेट फाइन भी लगाया जाता है। अभिभावकों का कहना है कि शैक्षणिक शुल्क मासिक आधार पर लिया जाना चाहिए, ताकि मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों को भुगतान करने में कठिनाई न हो।

शिकायतकर्ता अभिभावक ने जिलाधिकारी से आग्रह किया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिन अभिभावकों से रिन्यूअल शुल्क वसूला गया है, उसकी जांच कराई जाए और यदि यह शुल्क अनुचित पाया जाता है तो इसे विद्यार्थियों के शैक्षणिक शुल्क में समायोजित कराया जाए। साथ ही निजी विद्यालयों द्वारा की जा रही इस प्रकार की मनमानी और तानाशाही व्यवस्था पर रोक लगाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर ठोस कार्रवाई की जाए।

अभिभावकों को उम्मीद है कि जिला प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कराएगा और दोषी विद्यालयों के खिलाफ उचित कदम उठाएगा, ताकि शिक्षा के नाम पर हो रही अवैध वसूली पर अंकुश लगाया जा सके।

भारत-पुर्तगाल संबंधों के 50 वर्ष: नालंदा विश्वविद्यालय में नई संभावनाओं का संवाद

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।भारत और पुर्तगाल के आधुनिक कूटनीतिक संबंधों के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नालंदा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय भारत-पुर्तगाल संवाद: कूटनीति, संस्कृति, भाषा एवं सतत भविष्य का आयोजन किया गया, जिसमें दोनों देशों के कई डिप्लोमेट्स, स्कॉलर्स और पालिसी एक्सपर्ट्स हिस्सा ले रहे हैं।

इस अंतर्राष्ट्रीय डायलाग के प्रथम दिन, नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव (पश्चिम) राजदूत सिबी जॉर्ज सहित भारत और पुर्तगाल से पधारे सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए शैक्षणिक सहयोग, शोध साझेदारी और विचारों के सतत आदान-प्रदान के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने संस्थागत और सरकारी स्तर पर द्विपक्षीय सहयोग को और सशक्त बनाने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

अपने विशेष संबोधन में भारत में पुर्तगाल के राजदूत श्री जोआओ रिबेरो डी अल्मेडा ने दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संबंधों और पीपल-टू-पीपल कनेक्ट को विस्तार से रखा। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा और कृषि जैसे क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग के साथ-साथ द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि का उल्लेख किया।

यूनिवर्सिदादे दोस अजोरेस के वाइस-रेक्टर डॉ. फ्रांसिस्को मार्टिन्स ने विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, संयुक्त शोध तथा शिक्षक एवं छात्रों के आदान-प्रदान को दीर्घकालिक सहयोग का प्रमुख आधार बताया।

मुख्य वक्तव्य देते हुए राजदूत सिबी जॉर्ज ने भारत और यूरोप, विशेष रूप से पुर्तगाल के साथ गहरे सभ्यतागत संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राजनीतिक सहभागिता, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में प्रगति तथा जन-से-जन संबंधों की गहराई का उल्लेख करते हुए दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास को विशेष रूप से सबके समक्ष रखा। साथ ही, उन्होंने भारत-यूरोपीय फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, रक्षा सहयोग और साझा भविष्य दृष्टि का भी उल्लेख किया।

उद्घाटन सत्र में हिंदी-पुर्तगाली-हिंदी शब्दकोश (द्वितीय संस्करण) का विमोचन भी किया गया।

संवाद के अंतर्गत चार विषयगत सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें भारत-यूरोपीय संघ संबंध, साझा इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत, सतत विकास एवं व्यापार संबंध तथा भाषाई सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।

समापन सत्र में अपने विशेष वर्चुअल संबोधन में पुर्तगाल में भारत के राजदूत श्री पुनीत आर. कुंडल ने नालंदा विश्वविद्यालय के संदर्भ में पुर्तगाल की विशिष्ट भूमिका को रेखांकित करते हुए इसे यूरोपीय संघ का एकमात्र हस्ताक्षरकर्ता देश बताया। उन्होंने कूटनीति, शिक्षा, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्रों में भारत-पुर्तगाल संबंधों की गहराई को रेखांकित किया तथा प्रमुख समझौतों के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि का उल्लेख किया। प्रो. सचिन चतुर्वेदी के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने पुर्तगाली विश्वविद्यालयों के विद्वानों को एक मंच पर लाने की पहल को महत्वपूर्ण बताया और नालंदा विश्वविद्यालय के पुनः वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उभरने पर विश्वास व्यक्त किया, जिसमें पुर्तगाल की महत्वपूर्ण साझेदारी होगी।

इस डायलाग के दौरान, नालंदा विश्वविद्यालय परिसर में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, पटना द्वारा विदेश मंत्रालय की "पासपोर्ट सेवा – आपके द्वार" पहल के अंतर्गत पासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन शिविर का भी आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन सचिव (पश्चिम) श्री सिबी जॉर्ज तथा कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह पहल विश्वविद्यालय समुदाय के लिए आवश्यक पासपोर्ट सेवाओं को सुलभ बनाते हुए नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करने का काम करती है।

राजगीर खेल अकादमी में वुशू खेल के लिए एकलव्य राज्य आवासीय प्रशिक्षण केंद्र का चयन ट्रायल सम्पन्न

रंजीत कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)।राजगीर खेल अकादमी में वुशू खेल के एकलव्य राज्य आवासीय प्रशिक्षण केंद्र के लिए बालक एवं बालिका वर्ग में चयन ट्रायल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस चयन प्रतियोगिता में जिले के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

वरीय उप समाहर्ता सह जिला खेल पदाधिकारी आलोक चंद्र चौधरी ने बताया कि वुशू खेल के लिए आयोजित चयन प्रतियोगिता में कुल 118 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 73 बालक और 44 बालिकाएं शामिल थीं। चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना की ओर से एनआईएस कोच रवि रावत, ऋषभ कुमार तिवारी और करण कुमार को चयनकर्ता के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था।

चयन ट्रायल के सफल संचालन के लिए राजगीर खेल अकादमी से नोडल अधिकारी के रूप में ईशा मिश्रा और आनंद कुमार को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वहीं जिला खेल कार्यालय, नालंदा की ओर से शारीरिक शिक्षक सूरज कुमार, बिपिन कुमार, बिक्की भारती, ओमपाल कुमार, मनोज कुमार, प्रकाश कुमार, नवीन, कुमारी सरिता सिंहा और रिंकू कुमारी ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

इस अवसर पर नालंदा जिला वुशू संघ के महासचिव शत्रुघन कुमार तथा संघ के अन्य सहयोगी भी उपस्थित रहे। चयन ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण एवं स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और जिले से राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार होंगे।

नेहुसा में हाईटेंशन तार काटने की कोशिश, तीन संदिग्धों को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)।हरनौत थाना क्षेत्र के नेहुसा गांव के पास हाईटेंशन बिजली तार काटने की कोशिश का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। ग्रामीणों की सतर्कता से तीन संदिग्धों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना जोगना खंधा इलाके की बताई जा रही है।ग्रामीणों के अनुसार शुक्रवार रात खेत की ओर अचानक आग की चिंगारी दिखाई दी। शक होने पर कुछ लोग वहां पहुंचे तो देखा कि पास में एक बाइक खड़ी है। शोर मचाने पर वहां मौजूद लोग बाइक छोड़कर भाग निकले। ग्रामीणों का कहना है कि यदि रात में ही पकड़ लिए जाते तो भीड़ के आक्रोश के कारण बड़ी घटना भी हो सकती थी।शनिवार सुबह तीन लोग दूसरी बाइक से वहां पहुंचे और खड़ी बाइक को ले जाने लगे। इसदौरान ग्रामीणों ने पवन कुमार सिंह, संटु कुमार सिंह और लक्ष्मण पासवान समेत अन्य लोगों की मदद से उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना पता पटना जिले के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के मिसी गांव बताया। ग्रामीणों को मौके से तार काटने वाले औजार, ब्लेड और लोहे की रॉड भी मिली।

चेरन ग्रिड सब स्टेशन के सहायक अभियंता राजेश कुमार ने बताया कि यह 1.32 लाख केवी क्षमता की हाईटेंशन लाइन है, जो बख्तियारपुर जीएसएस से चेरन जीएसएस तक जाती है। छह अप्रैल को भी तार काटने की कोशिश की गई थी और अब तक करीब 12 बार लाइन ट्रिप की जा चुकी है। लगभग 60 मीटर तार भी काट लिया गया था, जिसकी मरम्मत में करीब दस घंटे लगे।

थानाध्यक्ष मुकेश कुमार वर्मा ने बताया कि तीनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

चेरो में 1101 महिलाओं ने निकाली भव्य कलश शोभायात्रा, नारायण पीठ महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)।हरनौत प्रखंड के चेरो सूर्य मंदिर तालाब परिसर में तीन दिवसीय नारायण पीठ, महायज्ञ एवं मानव धर्मशास्त्र कथा का शुभारंभ शनिवार को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। इस अवसर पर 1101 कन्याओं और महिला श्रद्धालुओं ने पीले वस्त्र धारण कर श्रद्धा और भक्ति के साथ कलश यात्रा में भाग लिया।

आयोजनकर्ता रमाकांत वर्मा ने बताया कि अवधूत देवीदास सेवा संस्था, नारायणी धाम अलवर (राजस्थान) की ओर से पहली बार नालंदा जिले के चेरो सूर्य मंदिर परिसर के निकट इस धार्मिक आयोजन का आयोजन किया गया है। कलश यात्रा की शुरुआत चेरो गांव स्थित देवी स्थान मंदिर से हुई, जहां पंडितों द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद कलश में पवित्र जल भरा गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पूरे गांव का भ्रमण करते हुए कलश यात्रा को कथा स्थल तक पहुंचाया।

कलश यात्रा में चेरो, खरुआरा, द्वारिका बीघा समेत आसपास के कई गांवों की 1101 कन्याएं और महिलाएं शामिल हुईं। आयोजन के दूसरेदिन 12 अप्रैल को गुरु प्रसाद के रूप में वस्त्र वितरण किया जाएगा, जबकि अंतिम दिन 13 अप्रैल को गुरु प्रसाद के साथ विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें पूरे प्रखंड और जिले के लोगों को आमंत्रित किया गया है।

रमाकांत वर्मा ने बताया कि यह आयोजन ग्राम पंचायत चेरो के आध्यात्मिक और सामाजिक उत्थान के उद्देश्य से किया गया है। इस दौरान अवधूत देवदास महाराज के परम शिष्य अवधूत लक्ष्मी नारायण द्वारा रचित मानव धर्मशास्त्र का तीन दिवसीय अखंड जाप भी किया जाएगा।मौके पर पूर्व मुखिया भगवान दास यादव, सुदामा बाबा, विनीता वर्मा, विजय सिंह, नीतीश कुमार, दुलार्चन यादव, अशोक यादव, विनोद कुमार सिंह, रामजोत पासवान, विनोद यादव, राजेश यादव, मुन्ना देव, दानी पासवान, जमींदर पासवान, रौशन यादव, विकास और छोटू सहित हजारों श्रद्धालु मौजूद थे।

हिरदन बीघा में गेहूं की तैयार फसल में लगी आग, 10-12 बीघा फसल जलकर नष्ट

हरनौत (अपना नालंदा)।हरनौत प्रखंड क्षेत्र में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसी क्रम में शनिवार सुबह लगभग 9 बजे तेलमर पंचायत के हिरदन बीघा गांव स्थित इजरा खंधा में गेहूं की तैयार फसल में अचानक आग लग गई। आग की इस घटना में करीब 10 से 12 बीघा में लगी गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गई।घटना की जानकारी देते हुए तेलमर पंचायत के वनगच्छा गांव निवासी सह जदयू नेता रोहित कुमार सिंह ने बताया कि हिरदन बीघा गांव के इजरा खंधा में अचानक आग लग गई। खेतों से धुआं उठता देख आसपास के किसान तुरंत वहां पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर काफी प्रयास किया ताकि आग आसपास के खेतों में न फैल सके।इसी बीच घटना की सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने ग्रामीणों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा लेने से आसपास के अन्य खेतों को नुकसान होने से बचा लिया गया।इस आगजनी की घटना में हिरदन बीघा गांव के किसान नागेंद्र प्रसाद के दो एकड़, शेखर कुमार के तीन एकड़, अरविंद महतो के एक एकड़ तथा ओमप्रकाश की फसल जलकर नष्ट हो गई। कुल मिलाकर लगभग 10 से 12 बीघा में लगी गेहूं की फसल पूरी तरह खाक हो गई।आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। आशंका जताई जा रही है कि अज्ञात कारणों से खेत में आग लगी होगी। घटना के बाद पीड़ित किसानों ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन देकर उचित मुआवजा देने की मांग की

चार माह बाद गिरियक बस स्टैंड से बरामद हुई लापता महिला, कोर्ट में बयान के बाद बेंगलुरु रवाना

आर संतोष भारती

कतरीसराय (अपना नालंदा)।शेखपुरा जिला के शेखोपुर सराय थाना क्षेत्र के पांची गांव निवासी दिलीप कुमार की पत्नी छोटी कुमारी के लापता होने के मामले में पुलिस को चार महीने बाद सफलता मिली है। पुलिस ने महिला को गिरियक बस स्टैंड के पास से बरामद कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटी कुमारी करीब चार महीने पहले अपने छह माह के बच्चे को सास की गोद में देकर कतरीसराय बाजार स्थित पंजाब नेशनल बैंक जाने की बात कहकर घर से निकली थी। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला तो पति दिलीप कुमार ने थाना में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया। आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया था कि जमुई जिला के चन्द्रदिप थाना क्षेत्र के छतियाना गांव निवासी विकास कुमार के साथ उनकी पत्नी भाग गई है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए कतरीसराय थाना पुलिस ने जांच शुरू की। कांड के अनुसंधानकर्ता के रूप में एएसआई मनीष कुमार को जिम्मेदारी दी गई। लगातार छानबीन के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि लापता महिला गिरियक बस स्टैंड के आसपास देखी गई है।

सूचना मिलते ही अपर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार, एसआई संजय सिंह और एएसआई मनीष कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और महिला को बरामद कर लिया। इसके बाद आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

न्यायालय में धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराया गया। चूंकि महिला बालिग है, इसलिए अदालत ने उसे अपने अनुसार निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी। बयान में महिला ने अपनी इच्छा से पति और बच्चे को छोड़कर बेंगलुरु जाने की बात कही, जिसके बाद वह वहां के लिए रवाना हो गई। पुलिस के अनुसार मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई जारी है।

ढेकवाहा में महात्मा ज्योतिबा फुले की 199वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

मोहम्मद जियाउद्दीन

इस्लामपुर (अपना नालंदा)।अति पिछड़ा अनुसूचित जाति जनजाति विकास मंच के तत्वावधान में इस्लामपुर प्रखंड के ढेकवाहा गांव स्थित कर्पूरी सामुदायिक भवन में महात्मा ज्योतिबा फुले की 199वीं जयंती धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने महात्मा ज्योतिबा फुले के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा दीप प्रज्वलित कर आरती और मंगल कार्यक्रम आयोजित किया। समारोह के दौरान "भगवान ज्योतिराव फुले अमर रहें" के नारों से वातावरण गूंज उठा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंच के संयोजक सह जिला बीस सूत्री सदस्य धर्मेंद्र चौहान ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले सामाजिक परिवर्तन के महान नायक थे। उन्होंने गरीबों, शोषितों और वंचित वर्गों में सामाजिक चेतना जगाने का कार्य किया तथा शिक्षा के महत्व को समाज के सामने रखा।

उन्होंने कहा कि फुले जी ने महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया और शिक्षा के प्रसार के लिए महत्वपूर्ण पहल की।

उन्होंने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले को शिक्षित कर उन्हें देश की पहली महिला शिक्षिका बनाया, जो इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। फुले दंपति के प्रयासों से ही महिलाओं को शिक्षा और सम्मानजनक जीवन जीने की प्रेरणा मिली।

इसके साथ ही उन्होंने छुआछूत, सती प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ भी संघर्ष किया।

कार्यक्रम में प्रकाश मालाकार, बुधन मालाकार, अनिल मिस्त्री, संतोष चंद्रवंशी, रामचलित्र ठाकुर, भोणू मालाकार, महादेव मालाकार, रिपु चौधरी, चंद्रमणि देवी, रिंकू देवी, महेंद्र मालाकार और बिपिन मालाकार सहित सैकड़ों लोगों ने उपस्थित होकर महात्मा ज्योतिबा फुले को पुष्पांजलि अर्पित की।

हरनौत में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की बीसी प्रियदर्शिनी को दीं गई भावभीनी विदाई

हरिओम कुमार

हरनौत (अपना नालंदा)।हरनौत प्रखंड में कार्यरत लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की प्रखंड समन्वयक (बीसी) प्रियदर्शिनी के स्थानांतरण पर शनिवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार भवन में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने उन्हें बुके, अंगवस्त्र और उपहार भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके कार्यकाल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर भी उनके कार्यों को याद किया गया।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

विज्ञापन दरें (प्रथम वर्षगांठ विशेष पैकेज)
फुल पेज विज्ञापन – ₹10,000/-
हाफ पेज विज्ञापन – ₹5,000/-
क्वार्टर पेज विज्ञापन – ₹3,000/-

संपर्क करें:
apnanalandaofficial881@gmail.com
9031468165
9608311251